



SHRI GAFURBHAI M. BILAKHIA

Shri Gafurbhai M. Bilakhia, commonly known as Bapuji, is an eminent Gandhian and a social worker.

2. Born on 9th March, 1935, Shri Gafurbhai was involved in social work from a very early age. During India's independence struggle, Shri Gafurbhai was involved with the Land Reforms battle against the Giraasdaari (Landlord) system of landholding prevailing in the Bombay State, especially Saurashtra region during that period. During the movement, he closely interacted with many great Gandhians of that era. This gave Shri Gafurbhai a lot of encouragement and made him work more for the upliftment of the under-privileged and the downtrodden.

3. Shri Gafurbhai is heavily influenced with the Gandhian philosophy and this brought him close to the Khadi movement. For his contribution in this nation building process, he was subsequently nominated as a Director of the Gujarat Khadi Board in 1981-82. He was subsequently nominated to the All India Khadi and Gramodyog Commission (1994-1999). He has been nominated in various prestigious committees like the Gandhi Smarak Prakritik Chikitsa Samiti and Gandhi Smriti and Darshan Samiti, which was chaired by then Prime Minister of India, in 2003.

4. Feeling the need for agricultural development, Shri Gafurbhai initiated and completed projects for agriculture and irrigation in a number of talukas and focused upon the upliftment of Harijans, Adivasis, Minorities and poor people. He also promoted various small scale enterprises for creating jobs for the underprivileged.

5. Shri Gafurbhai Bilakhia is the Head of the Bilakhia family, which has created and established companies in various fields such as healthcare and agro-tech — all these have achieved global scale operations and are operating around the globe. Apart from the industrial contribution, Shri Gafurbhai has also contributed enormously for the local community through his philanthropic activities. He also institutionalized the philanthropic arm of the industrial group to induce large-scale educational reforms - this foundation has been operational since more than a decade and creates large-scale working models for education reform and skilling. The foundation also helps like-minded Corporate / High Net-worth Individuals replicate their projects and does the necessary handholding, for larger societal good.

6. Shri Gafurbhai has been the recipient of various social and industrial awards, the most prominent amongst them being awarded for his social work by the Governor and the Chief Minister of Gujarat in 2005, at Valsad; the Government of Gujarat's Corporate Social Responsibility (CSR) Authority's award, 'Innovative Model for CSR Implementation' in 2017 by the Honourable Governor of Gujarat. He was also rewarded by Gram Swaraj Mandal Seva Trust, a reputed Gandhian trust in social work, in 2017 and Srimad Rajchandra Mission, Dharampur for social work in 2018 etc.





श्री गफुरभाई बिलाखिआ

बापूजी के नाम से लाकप्रिय श्री गफुरभाई बिलखिया एक प्रसिद्ध गांधीवादी और सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

2. श्री गफुरभाई का जन्म 09 मार्च, 1935 को हुआ था। अल्प आयु से ही वह सामाजिक कार्यों से जुड़ गए थे। भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान, श्री गफुरभाई ने बम्बई राज्य, विशेष रूप से सौराष्ट्र प्रदेश में जोत की प्रचलित गिरासदारी (जमींदार) प्रथा के विरुद्ध भूमि सुधार आंदोलन में भाग लिया। आंदोलन के दौरान, उनका घनिष्ठ सम्पर्क उस जमाने के अनेक महान गांधीवादियों से हुआ। इससे उन्हें वंचितों और दलितों के उत्थान के लिए कार्य करने की गहरी प्रेरणा मिली।

3. श्री गफुरभाई गांधीवादी दर्शन से अत्यधिक प्रभावित हैं और यह उन्हें खादी आंदोलन के करीब ले आई। राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान स्वरूप, उन्हें 1981–82 में गुजरात खादी बोर्ड के निदेशक के रूप में नामित किया गया। तत्पश्चात, उन्हें अखिल भारतीय खादी और ग्रामोद्योग आयोग (1994–1999) के लिए नामित किया गया। उन्हें 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री की अध्यक्षता वाली गांधी स्मारक प्राकृतिक चिकित्सा समिति और गांधी समृति तथा दर्शन समिति जैसी विभिन्न प्रतिष्ठित समितियों के लिए भी नामित किया गया।

4. कृषि विकास की जरूरतों को महसूस करते हुए, श्री गफुरभाई ने कई तालुकाओं में कृषि और सिंचाई की परियोजनाओं को शुरू किया और उन्हें पूरा किया। उन्होंने हरिजनों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों और गरीबों के उत्थान पर बल दिया। उन्होंने पिछड़े लोगों के लिए रोजगार पैदा करने के लिए अनेक लघु उद्यमों को भी बढ़ावा दिया।

5. श्री गफुरभाई बिलखिया उस बिलखिया घराने के मुखिया हैं, जिसने स्वास्थ्यचर्या और कृषि–तकनीक जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कंपनियां स्थापित की हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की ये कंपनियां पूरी दुनिया में कार्य कर रही हैं। औद्योगिक योगदान के अलावा, श्री गफुरभाई ने अपने लोकोपकारी कार्यों के जरिए स्थानीय समुदाय की बेहतरी में काफी योगदान किया है। उन्होंने व्यापक शैक्षिक सुधारों को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक स्तर पर एक मानवतावादी न्यास भी बनाया है। यह न्यास एक दशक से भी अधिक समय से कार्य कर रहा है और इसने शैक्षिक सुधार और कौशल निर्माण के लिए वृहद वर्किंग मॉडल तैयार किए हैं। यह न्यास, समान सोच रखने वाले कारपोरेट/धनी व्यक्तियों की परियोजनाओं को सामाजिक हित से जोड़ने में भी मदद करता है।

6. श्री गफुरभाई को बहुत से सामाजिक और औद्योगिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इनमें वर्ष 2015 में वलसाड में गुजरात के राज्यपाल और मुख्यमंत्री द्वारा गुजरात सरकार का कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) प्राधिकार पुरस्कार; गुजरात के माननीय राज्यपाल द्वारा 2017 में इनोवेशन मॉडल फॉर सीएसआर इम्पलिमेंटेशन जैसे प्रमुख पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें 2017 में एक प्रतिष्ठित गांधीवादी ट्रस्ट, ग्राम स्वराज मंडल सेवा ट्रस्ट तथा 2018 में सामाजिक कार्य के लिए श्रीमद राजचंद्र मिशन, धर्मपुर द्वारा भी सम्मानित किया गया है।